पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

पूर्वोत्तर रेलवे परिचय

दिनांक 14 अप्रैल, 1952 में तिरहुत तथा असम रेलवे को मिलाकर पूर्वोत्तर रेलवे अस्तित्व में आया। आगे चलकर 15 जनवरी, 1958 में पूर्वोत्तर रेलवे दो भागों यथा पूर्वोत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे में विभाजित हो गया। 1 अक्टूबर, 2002 में पूर्व-मध्य रेलवे, हाजीपुर बनने के बाद, इस रेल के दो मंडल सोनपुर व समस्तीपुर पूर्व मध्य रेलवे में सम्मिलित कर लिए गए। वर्तमान में पूर्वोत्तर रेलवे में तीन मंडल हैं - लखनऊ, वाराणसी तथा इज्जतनगर। इस रेलवे के पास कुल 3449 रुट कि0मी0 क्षेत्र पुल तथा 490 स्टेशन हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे एक यात्री प्रधान रेल है और यह उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल तथा पश्चिमी बिहार की घनी आवादी क्षेत्र की सेवा विश्वसनीय रेल परिवहन माध्यम के रुप में कर रहा है, जो पूरी लंबाई में नेपाल सीमा तक फैला हुआ है।

यह रेलवे राज्य पावर कारपोरेशन को विद्युत प्रभार के भुगतान के रुप में लगभग 56.84 करोड़ रुपये का व्यय करती है।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन

महाप्रबंन्धक कार्यालय

पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर

फुलवरिया रेलवे स्टेशन